

यासर अराफात हवाई अड्डा: आशा का दीपस्तंभ

यासर अराफात अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, जो मूल रूप से गाजा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा के नाम से जाना जाता था, फिलिस्तीनियों की संप्रभुता, आर्थिक स्वतंत्रता और वैश्विक कनेक्टिविटी की आकांक्षाओं का एक मार्मिक प्रतीक है। यह हवाई अड्डा गाजा पट्टी में रफह और दहानिया के बीच, मिस्र की सीमा के पास 31°14'47" उत्तर 34°16'34" पूर्व के निर्देशांक पर स्थित है, और 1998 से 2001 तक अपने संक्षिप्त परिचालन काल में आशा का दीपस्तंभ रहा। ओस्लो शांति प्रक्रिया के हिस्से के रूप में इसके गठन से लेकर इसके स्वर्ण युग तक, जब इसने पर्यटन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा दिया, और अंततः इसकी दुखद विनाश—एक आतंकवादी कृत्य जो अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन था—हवाई अड्डे का इतिहास फिलिस्तीनी राज्य के लिए संघर्ष के उतार-चढ़ाव को समेटे हुए है। यह निबंध हवाई अड्डे की यात्रा की पड़ताल करता है, इसके सामाजिक-आर्थिक प्रभावों, प्रतीकात्मक महत्व और इसके पतन के कानूनी परिणामों को गहराई से जांचता है, ऐतिहासिक विवरणों और सांस्कृतिक अंतर्दृष्टि पर आधारित एक व्यापक कथा प्रस्तुत करता है।

अवधारणा और निर्माण: संप्रभुता का दृष्टिकोण

गाजा में एक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का विचार 1990 के दशक की शुरुआत में ओस्लो शांति प्रक्रिया के दौरान उभरा, एक ऐसा दौर जो इजरायल-फिलिस्तीनी सुलह के लिए सतर्क आशावाद से भरा था। 1995 के ओस्लो II समझौते ने गाजा पट्टी में एक हवाई अड्डे के निर्माण को स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट किया, जो फिलिस्तीनी स्वायत्तता और आर्थिक विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता था। इस परियोजना का नेतृत्व फिलिस्तीनी प्राधिकरण ने किया, जिसमें यासर अराफात, फिलिस्तीन लिबरेशन ऑर्गनाइजेशन के करिश्माई नेता, ने इसे राज्य निर्माण का आधार माना। हवाई अड्डे को दुनिया के लिए एक प्रवेश द्वार के रूप में कल्पना की गई थी, जो फिलिस्तीनियों की इजरायल-नियंत्रित यात्रा मार्गों पर निर्भरता को कम करेगा और स्वायत्तता का प्रतीक होगा।

निर्माण 1997 में शुरू हुआ, जिसे मिस्र, जापान, सऊदी अरब, स्पेन और जर्मनी सहित एक अंतरराष्ट्रीय गठबंधन द्वारा वित्त पोषित किया गया, जिसकी कुल लागत लगभग 86 मिलियन डॉलर थी। डिज़ाइन, जो मोरक्कन आर्किटेक्ट्स द्वारा बनाया गया और कासाब्लांका हवाई अड्डे से प्रेरित था, उसामा हसन अलखुदारी की इंजीनियरिंग फर्म द्वारा कार्यान्वित किया गया, जो आधुनिक कार्यक्षमता को सांस्कृतिक सौंदर्यशास्त्र के साथ जोड़ता था। बुनियादी ढांचे में 3,076 मीटर लंबा रनवे, प्रति वर्ष 700,000 यात्रियों की क्षमता वाला यात्री टर्मिनल, और रॉक डोम से प्रेरित एक सुनहरी गुंबद वाला वीआईपी लाउंज शामिल था, जिसमें अराफात के लिए एक सुइट भी था। पत्थर के मोज़ाइक और इस्लामी चित्रों से सजा टर्मिनल फिलिस्तीनी विरासत और गर्व को दर्शाता था।

निर्माण प्रक्रिया एक कूटनीतिक संतुलन थी, क्योंकि ओस्लो समझौतों के तहत इजरायल ने यात्रियों और कार्गो की जांच सहित सुरक्षा प्रोटोकॉल पर निगरानी बनाए रखी। इन प्रतिबंधों के बावजूद, हवाई अड्डे का पूर्ण होना एक विजय था, जिसे 24 नवंबर 1998 को अराफात, अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन और हजारों फिलिस्तीनियों की उपस्थिति में उद्घाटन समारोह के साथ मनाया गया। क्लिंटन की उपस्थिति ने अंतरराष्ट्रीय समर्थन को रेखांकित किया, और उनके भाषण ने हवाई अड्डे को “पूरे मध्य पूर्व और उससे परे के विमानों के लिए एक चुंबक” के रूप में सराहा। यह आयोजन आशा के एक दुर्लभ क्षण को चिह्नित करता था, जहां गाजा संक्षिप्त रूप से संभावित कनेक्टिविटी के केंद्र के रूप में उभरा।

स्वर्ण युग: पर्यटन, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और आर्थिक वादा

1998 से 2001 तक, गाजा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, जैसा कि तब कहा जाता था, ने एक स्वर्ण युग का अनुभव किया, हालांकि संक्षिप्त, जो पर्यटन, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और आर्थिक गतिविधि से चिह्नित था। फिलिस्तीनी नागरिक उड्डयन प्राधिकरण द्वारा संचालित, हवाई अड्डा फिलिस्तीनी एयरलाइंस का आधार था, जिसकी पहली वाणिज्यिक उड़ान 5 दिसंबर 1998 को अम्मान के लिए थी। रॉयल एयर मोरक्को और मिस्र एयर जैसी विदेशी एयरलाइंस ने गाजा को मध्य पूर्व और उत्तरी

अफ्रीका के गंतव्यों से जोड़ा, और 1999 में लगभग 90,000 यात्रियों और 100 टन से अधिक कार्गो को संभाला। दूसरी इतिहादा के प्रकोप से पहले यह अवधि, फिलिस्तीनी राज्य के अर्थ को एक झलक प्रदान करती थी।

पर्यटन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान

हवाई अड्डे ने एक मामूली पर्यटन क्षेत्र को सुगम बनाया, जहां गाजा की भूमध्यसागरीय तटरेखा, ऐतिहासिक स्थल और सांस्कृतिक विरासत आगंतुकों को आकर्षित करती थी। हालांकि इस अवधि के विशिष्ट यात्रा ब्लॉग दुर्लभ हैं, सापेक्ष शांति ने प्राचीन मस्जिदों, पुरातात्विक स्थलों और कृषि परिदृश्यों की खोज को संभव बनाया। फिलिस्तीनियों ने पारंपरिक आतिथ्य के साथ आगंतुकों का स्वागत किया, एक सांस्कृतिक विशेषता जो बाद के विवरणों में अजनबियों से भोजन के लिए पैसे लेने की अनिच्छा के रूप में उल्लेख की गई। हवाई अड्डे के संचालन ने सांस्कृतिक आदान-प्रदान को संभव बनाया, फिलिस्तीनी काम, शिक्षा और अवकाश के लिए विदेश यात्रा करते थे, और अंतरराष्ट्रीय आगंतुक गाजा में विविध दृष्टिकोण लाते थे। उस समय के विवरण एक मैत्रीपूर्ण माहौल का संकेत देते हैं, जिसमें अनौपचारिक बातचीत खुलेपन को दर्शाती है।

आर्थिक प्रभाव

हवाई अड्डा आर्थिक विकास के लिए एक उत्प्रेरक था, जो व्यापार और वाणिज्यिक गतिविधियों को समर्थन देता था। इसने फिलिस्तीनियों को माल निर्यात करने और सामग्री आयात करने में सक्षम बनाया, जिससे प्रतिबंधात्मक इजरायली चेकपॉइंट्स पर निर्भरता कम हुई। इसकी भूमिका ने आर्थिक आशा को बढ़ावा दिया, और पायलटों ने पहली उड़ान की लैंडिंग के गर्व को याद किया। हवाई अड्डे ने उड्डयन कर्मचारियों से लेकर स्थानीय विक्रेताओं तक रोजगार के अवसर पैदा किए, और आतिथ्य जैसे संबंधित उद्योगों को प्रोत्साहित किया। गाजा की पाककला, जिसमें मक्लूबा, मुखन और सुमागिया जैसे व्यंजन शामिल थे, ने संभवतः आगंतुकों को प्रसन्न किया। ये पाक अनुभव, जो सुमाक और ताजा उपज जैसे स्थानीय सामग्रियों पर आधारित थे, गाजा की सांस्कृतिक समृद्धि को रेखांकित करते थे।

प्रतीकात्मक महत्व

अपनी व्यावहारिक भूमिका से परे, हवाई अड्डा फिलिस्तीनी संप्रभुता का एक शक्तिशाली प्रतीक था। इसका उद्घाटन, जिसमें विश्व नेता उपस्थित थे, फिलिस्तीनी आकांक्षाओं की अंतरराष्ट्रीय मान्यता को दर्शाता था। वीआईपी लाउंज का सुनहरा गुंबद, रॉक डोम से प्रेरित, हवाई अड्डे को यरुशलम के आध्यात्मिक महत्व से जोड़ता था और राष्ट्रीय पहचान को मजबूत करता था। फिलिस्तीनियों के लिए, इजरायली निगरानी के बिना यात्रा करने की क्षमता स्वतंत्रता का एक स्वाद थी, जो चेकपॉइंट्स और परमिट से जुड़ी अपमान को कम करती थी। हवाई अड्डे का अस्तित्व फिलिस्तीनी निर्भरता के कथानक को चुनौती देता था और राज्य और आत्मनिर्णय के दृष्टिकोण को मूर्त रूप देता था।

दुखद अंत: आतंकवादी कृत्य और इसके परिणाम

हवाई अड्डे का स्वर्ण युग दूसरी इतिहादा के साथ अचानक समाप्त हो गया, जो 2000 में शुरू हुआ और इजरायल और फिलिस्तीनियों के बीच तनाव को बढ़ा दिया। फरवरी 2001 तक, जैसे-जैसे हिंसा बढ़ी, सभी यात्री उड़ानें बंद हो गईं। 4 दिसंबर 2001 को, इजरायली सैन्य विमानों ने हवाई अड्डे के रडार स्टेशन और नियंत्रण टावर पर बमबारी की, जिससे यह निष्क्रिय हो गया। 10 जनवरी 2002 को, इजरायली बुलडोजरों ने रनवे को काट दिया, जिससे विनाश पूरा हो गया। यह जानबूझकर किया गया आतंकवादी कृत्य, जो फिलिस्तीनी कनेक्टिविटी के लिए महत्वपूर्ण नागरिक बुनियादी ढांचे को लक्षित करता था, गाजा की आकांक्षाओं के लिए एक विनाशकारी झटका था।

विनाश का संदर्भ

इजरायल ने इतिहादा के दौरान फिलिस्तीनी उग्रवादी गतिविधियों के प्रतिक्रिया के रूप में हमले को उचित ठहराया, यह दावा करते हुए कि हवाई अड्डे का उपयोग हथियारों की तस्करी के लिए किया जा सकता था। हालांकि, विनाश को व्यापक रूप से असमानुपातिक और प्रतीकात्मक माना गया, जिसका उद्देश्य फिलिस्तीनी राज्य को कुचलना था। यह हमला फिलिस्तीनी गतिशीलता पर नियंत्रण बनाए रखने की व्यापक रणनीति का हिस्सा था, जबकि हवाई अड्डे का परिचालन समझौता पहले से ही इजरायली सुरक्षा निगरानी के अधीन था। बमबारी और तोड़फोड़ ने 450 हेक्टेयर क्षेत्र को खंडहर में बदल दिया, टर्मिनल और रनवे को अपूरणीय रूप से क्षतिग्रस्त कर दिया।

सामाजिक-आर्थिक परिणाम

हवाई अड्डे के विनाश ने गाजा को अलग-थलग कर दिया, पर्यटन, व्यापार और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को दबा दिया। फिलिस्तीनी इजरायल- नियंत्रित यात्रा मार्गों, जैसे बेन गुरियन हवाई अड्डे, पर निर्भर हो गए, जहां उन्हें भेदभावपूर्ण सुरक्षा जांच और उत्पीड़न की रिपोर्टों का सामना करना पड़ा, जिसमें महिलाओं के खिलाफ यौन उत्पीड़न भी शामिल था। 2007 से इजरायल और मिस्र द्वारा लगाई गई नाकाबंदी ने गतिशीलता को और प्रतिबंधित कर दिया, और गाजा की अर्थव्यवस्था बाजारों और संसाधनों तक सीमित पहुंच के कारण प्रभावित हुई। हवाई अड्डे के खंडहर “टूटी हुई शांति की आशाओं” का प्रतीक बन गए, दो दशकों से अधिक समय तक कोई उड़ान नहीं हुई। नौकरियों और आर्थिक अवसरों का नुकसान गाजा की गरीबी को और गहरा करता गया, 2001 के बाद उल्लेखनीय आर्थिक गिरावट के साथ।

सांस्कृतिक और मनोवैज्ञानिक प्रभाव

हवाई अड्डे का विनाश एक मनोवैज्ञानिक आघात था, जो फिलिस्तीनी गर्व के एक ठोस प्रतीक को मिटा देता था। निवासियों ने हवाई अड्डे को “दुनिया के लिए एक खिड़की” के रूप में याद किया। इस आतंकवादी कृत्य ने उत्पीड़न की भावनाओं को मजबूत किया, क्योंकि फिलिस्तीनियों को अपमानजनक यात्रा प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ा, जिसने हवाई अड्डे द्वारा प्रदान की गई गरिमा को कमजोर कर दिया।

कानूनी पहलू: अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन

गाजा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का विनाश अंतरराष्ट्रीय कानून का स्पष्ट उल्लंघन था, जिसने वैश्विक संस्थानों से निंदा को आमंत्रित किया। अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन (ICAO) ने मार्च 2002 में इजरायल की निंदा की, 1944 के शिकागो सम्मेलन के तहत उड्डयन मानकों के उल्लंघन का हवाला देते हुए, जो नागरिक हवाई अड्डों को सैन्य हमलों से बचाता है। विशेष रूप से, बमबारी ने निम्नलिखित का उल्लंघन किया:

- **शिकागो सम्मेलन का अनुच्छेद 1:** यह अनुच्छेद हवाई क्षेत्र पर राज्यों की संप्रभुता पर जोर देता है, जिसे हवाई अड्डा फिलिस्तीनी प्राधिकरण के लिए दर्शाता था। इजरायल के हमले ने इस सिद्धांत को नजरअंदाज कर दिया, जिसने फिलिस्तीनी स्वायत्तता को कमजोर किया।
- **जिनेवा सम्मेलनों का अनुच्छेद 3:** संघर्ष के दौरान, तत्काल सैन्य खतरे के अभाव में, हवाई अड्डे जैसे नागरिक बुनियादी ढांचे को लक्षित करना निषिद्ध है। हवाई अड्डे के सैन्य उपयोग के दावों का समर्थन करने वाला कोई सबूत नहीं था, जिसने इस हमले को एक संभावित युद्ध अपराध बनाया।
- **प्रथागत अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून:** आनुपातिकता का सिद्धांत मांग करता है कि सैन्य कार्रवाइयां नागरिकों को अत्यधिक नुकसान से बचें। नागरिक जीवन और आर्थिक गतिविधि का प्रतीक हवाई अड्डे का पूर्ण विनाश, किसी भी कथित सुरक्षा खतरे के अनुपात में नहीं था।

ICAO की निंदा ने हमले की अवैधता को उजागर किया, लेकिन इसके बाद कोई उल्लेखनीय परिणाम नहीं निकले, जो इजरायली-फिलिस्तीनी संदर्भ में अंतरराष्ट्रीय कानून के प्रवर्तन की चुनौतियों को दर्शाता है। जवाबदेही की कमी ने फिलिस्तीनी शिकायतों को हवा दी, और हवाई अड्डे के खंडहर न्याय की मांग के लिए एक एकत्रीकरण बिंदु बन गए।

निष्कर्ष: आशा और त्रासदी की विरासत

यासर अराफात अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की यात्रा, इसकी अवधारणा से लेकर इसके विनाश तक, फिलिस्तीनियों के आत्मनिर्णय के संघर्ष को समेटे हुए है। ओस्लो समझौतों के प्रमाण के रूप में कल्पना की गई, अंतरराष्ट्रीय समर्थन के साथ निर्मित और दुनिया के लिए एक प्रवेश द्वार के रूप में उत्सव मनाया गया, इसने गाजा को अस्थायी रूप से पर्यटन, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और आर्थिक वादे का केंद्र बनाया। इसका स्वर्ण युग, जो फिलिस्तीनी आतिथ्य, प्राकृतिक सौंदर्य और पाक प्रसन्नता से चिह्नित था, राज्य का एक दृष्टिकोण प्रस्तुत करता था। लेकिन 2001-2002 में इसे नष्ट करने वाला आतंकवादी कृत्य—एक अवैध और विनाशकारी हमला—ने इन सपनों को चकनाचूर कर दिया, गाजा को अलग-थलग कर दिया और अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन किया।

5 मई 2025 तक, हवाई अड्डा खंडहर में पड़ा है, जो अधूरी आकांक्षाओं की कठोर याद दिलाता है। इसकी विरासत उन फिलिस्तीनियों की लचीलापन में जीवित है, जो गतिशीलता की स्वतंत्रता और संप्रभुता के लिए संघर्ष जारी रखते हैं। हवाई अड्डे की कहानी केवल बुनियादी ढांचे की कहानी नहीं है, बल्कि मानवीय गरिमा, सांस्कृतिक गर्व और उस स्थायी आशा की कहानी है कि गाजा एक बार फिर दुनिया का स्वागत कर सकता है।